तेरी चौखट पे मेरा सर झुका ही रहे

बौर:- मेरी तकदीर में तेरा प्यार है या नहीं

तेरी चौखट पे मेरा सर झुका ही रहे,
हाथ सर पे मेरे तेरा सदा रखा ही रहे,
तेरी चौखट पे मेरा सर....

तेरी चौखट का भला कौंन पता देता है,
जिससे पुछो वही कुछ दुर बता देता है,
हाथ सर पे मेरे तेरा सदा रखा ही रहे,
तेरी चौखट पे मेरा सर....

सुना है तेरे दर पे बिगड़ी बनाई जाती है,
इस लिए बार बार तेरी याद आती है,
हाथ सर पे मेरे तेरा सदा रखा ही रहे,
तेरी चौखट पे मेरा सर....

यही तम्मंना है की दर से उठके जाऊं ना,
धसका पागल तेरा बना ही रहे,
हाथ सर पे मेरे तेरा सदा रखा ही रहे,
तेरी चौखट पे मेरा सर....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27168/title/teri-chaukhat-pe-mera-sar-jhuka-hee-rahe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |